मुख्य परीक्षा

पठारों की भौतिक विशेषताओं को रेखांकित करते हुए भारतीय संदर्भ में इनके आर्थिक महत्व को दर्शाएं।
(150 शब्द)

Underline the physical characteristics of plateaus and outline their economic importance with reference to India.
(150 Words)

मॉडल उत्तर

दृष्टिकोण:
- भूमिका में पठार के बारे में सामान्य परिचय दें।
- अगले पैरा में पठार की भौतिक विशेषताओं को बताएं।
- फिर अगले पैरा में भारत के पठारों के आर्थिक महत्व को बताएं।
- अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

पठार, पृथ्वी पर द्वितीयक क्रम के उच्चावच हैं तथा पृथ्वी के एक तिहाई भाग पर अपना विस्तार रखते हैं। पठार वह उच्च भूमि है, जिसका कोई एक ढाल आस-पास के इलाकों से अधिक ऊँचा तथा खड़े ढाल वाला हो अर्थात् इनकी ऊँचाई सागर तल से लगभग 300 मीटर तक होती है।

यहाँ मुख्यत: दक्कन का पठार, मालवा का पठार, छोटा नागपुर का पठार एवं कई पूर्वी एवं दक्षिणी तथा उत्तरी पठारी भूमियाँ सम्मिलित हैं।

इन पठारी क्षेत्रों में धारवाड़ युग और कुडप्पा युग की प्रमुख अवसादी चट्टानें पायी जाती हैं, जो खनिजों की दृष्टि से काफी समृद्ध है।

पठार की प्रमुख विशेषताएं-
- सपाट शीर्ष होना
- ग्रेनाइटिक तथा बैसाल्टिक लावा से निर्मित होना
- नदियों का उद्भव स्थल का होना
- महत्वपूर्ण खनिजों के स्त्रोत का होना
- कृषि युक्त उपजाऊ मिट्टी का होना
- पठारी चट्टानों रंध्रविहीन व अपारगम्य होती हैं, जिससे यहां भौमजल की कमी होती है।

आर्थिक महत्व-
- अवसंरचना निर्माण के लिए महत्वपूर्ण खनिज जैसे- लौह, तांबा, जिंक आदि की प्राप्ति।
- प्रचुर खनिज सम्पदा से समृद्ध औद्योगिक विकास।
- अन्य प्रकार की फसलोत्पादन से यह देश के आर्थिक विकास में सहायक है। जैसे- कपास, चावल, मसालें आदि।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।

GS World Committed To Excellence